

Run by: New Akanksha Shiksha Samiti

## Dr. RADHAKRISHNAN COLLEGE OF EDUCATION

(Recognised by N.C.T.E., Sate Govt. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)

Patan Road Near NEW RTO Karmeta, Jabalpur (M.P.)-482002 Phone: 0761-2682004, Website: www.radhakrishnanedu.com

Email: rkce@yahoo.com / choubey abhi27@yahoo.in



## **DVV-5.3.2**

Average number of sports and cultural events organized at the institution during the last five years

## **DVV Query**

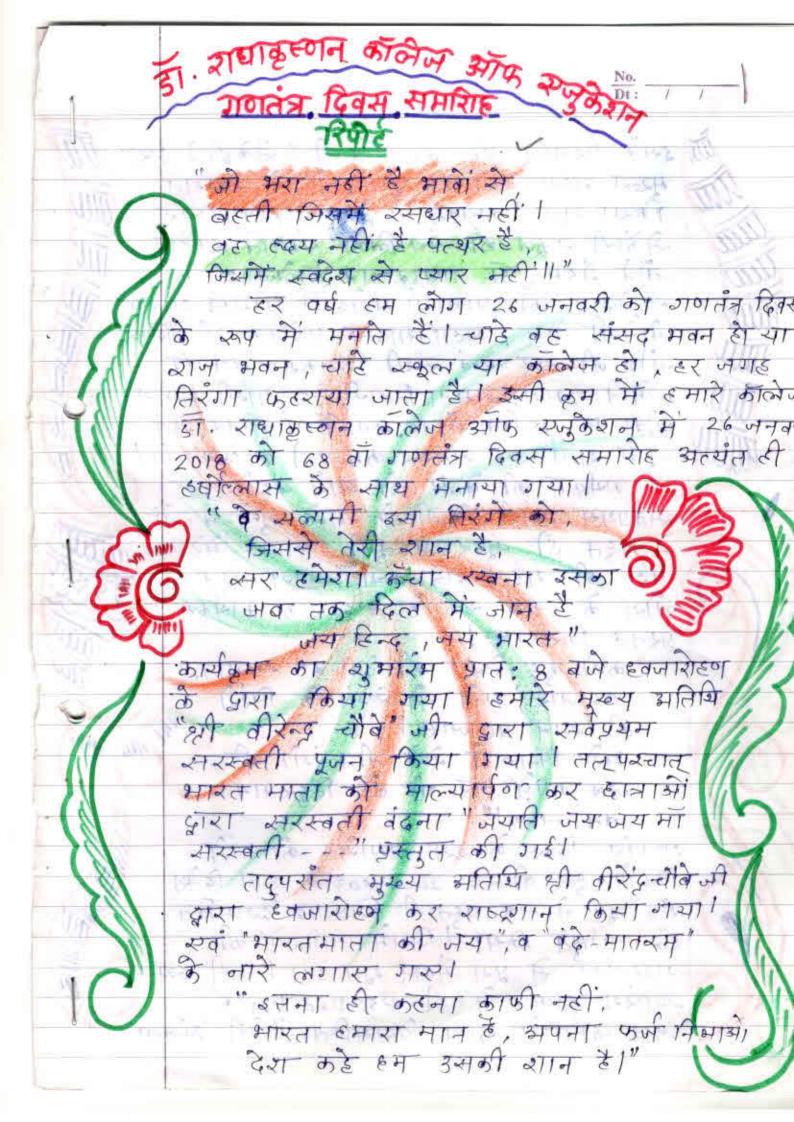
• Reports of the events along with the photographs with captions and dates • Copy of circular / brochure indicating such kind of events

## **Institution response**

- Reports of the events along with the photographs with captions and dates
  - Copy of circular / brochure indicating such kind of events enclosed







इसके पश्चात् ही उ.स. न्योंके भी ( सेकेड्री) द्वारा म्च्य सतिथि जी का पुस्पगुर्दी किया गया। कार्यक्रम में न्यू आकांसा हायर मेकेंडरी सकूल की संवालिका सीमात क्रा -वीर्व मेडम, उर राधा हुस्लान कालेज झाफ र्विश्वम की प्राचार्या महोदया श्लीमात मानना नीनेजी मेम , मटाविधालय प्रबंधक मी अभिषठ -बीबे जी सर सवं सभी शिसकगण धीमति ज्योगित शुक्ला, समता विवारी, खुद्या पासी, अमीता हीवास्तव, मनीषा सीनी, स्वाति हीवास्तव, सवं न्त्राभि शमी एवं समस्त कर्मनारी उपस्थित थे। कार्मक म की बेला को आगे बढ़ाते उरु सर्वप्रथम नर्भरी । केजी के नन्दे - मुन्ने ब ट्यों ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुती (पाण - मेरेपाण) वैशा की गई। हात्र-हात्राओं द्वारा बहुत साथ एक के बाद एक कार्यक्रम प्रस्तृत किस गरू। करी कह रेमा की देश का सम्मान, बर मिर्ट भरी हो। रेमा के विरेड की शान बढ आस्। भरो पिरामारी देसे तीन रंगों की जब कपड़ी पर पड़े ती हिंदूरतान

गणतंत्र दिवस के इस समारीह की आने बहाते हुए भी रूड. प्राप्त पृथ्य के हात्र दिनेश रूउ ग्रुप ने रूक बहुत ही शिक्षाप्रद देशमिकत देने प्रस्तुत किया । जिसमें ताक्तियों की गड़ग्माहर से पूरा मेदान गूज उठा। वसी इस रंगारंग हार्यकृष में डी. रूड. प्राप्त पृथ्य के हात्र हात्राभों द्वारा देशमिकत पैरोडी "भनेकत

में रकता" विषय पर चूल्य प्रस्तुत किया गया रवं डी स्ड. Und Year के हात्रों दारा 'त्रिमा का मरत्व' विषय पर संदेशात्मक नारक प्रस्तुत किया गया। " महसूस करो मपनी नाहियों की रूपंदन की। जो तुम्होरे महान पुरुषों भी देन है। 38 रवड़े हो भारत की स्कता के बिस् जिसने हमें रवतंत्रता दिखाई, जो हमें स्रित रखेगी धार भारत को विकसित करेगी। इस रंगारंग कार्यहम् में होरे बच्चों प्रारा दुल्ट्न चली, देश रंगीला, कंची है नीसी उगरिया, मैया यशोदा, गलती से मिस्टेक, न्य मा जीर गरम जैसे मनमोहक तृत्य प्रस्तृत किए गर् वहीं पूसरी मीर विद्यालय व महाविद्यालय [ के हात्र-हात्राओं द्वारा मिमिक्री, द्रामा, भाषण अमूट गान, रिकल गान आदि अने मनमेखि पुरत्तुतियों ने शिसकीं, विद्यार्थियों व सभी दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की समाप्ति की भार बहते इस महाविधालम् की प्रान्वार्या भीमात भावना सोरेजी मेम प्रारा सभी की प्रशंसा व भीत्मारम हैतु हो शहद कहे गरू। संत मे कार्यक्रम की प्रस्तुतियों देतु सभी बच्चों की पुरास्कार वितरण व प्रसाद वितरण किया गया। सभी बरे उत्साहित व टर्षमय थे। "हर तरफ देखों जाय हिन्द हा नारा है। लिस तिरंगा हाथ में देश अम रहा माज साराहै। भाभी कि पाया राष्ट्रपर्व गणतंत्र उमारा है, नमन "मा भारती" नुझे दिया राष्ट्रपर्व प्यारा है।" "जय हिन्द, जय भारत"







" वसंत पंचमी उद्भव रा शिंधाकृष्णन कार्येल ऑक हलक्यान में 22 जार 2018 को माँ सरस्वती जी के पावन पर्व क्से विष् उत्सव को धुमधाम से मनाया गया। वसंत पंची हिंदुओं के प्रमुख ट्योंहारों में से एक है। जो वि माह्य माल की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। बसंत के आगमन् तथा हरियाली का महाविद्यालय के सभी शिक्षकों व विद्यावित्र बंदुत ही हमील्लास के साथ यह उत्सव मनाया हात्राओं ने मां सरस्वती जी की अतमा के सामन रंग-बिरंगी रांगोली डालकर कहा के रंग बिरवेरे अविमा को सुंदेर वस्त्र व फूल-मालाओं द्वारा सु सिर्जित किया गया। आतः 10:% बर्ज माँ सरस्वती जी का अजन महाविद्यालय के जवंदाक ही अभिषेक न्यों के की दारा प्रारंभ किया गया। उन्होंने माँ सरस्वती परी समदा माल्यापीण कर मां के करों में अपित प और किया दाताओं अरा सरस्वती वंदना कर्नामधी - परदाति -- जा संदर अस्त्रतीकरन किया गया। साय ही सरे ग्रिशाह हिर्पिट न्यु आकांद्या थिमिर की संचातिका सीमिर क्य नीवें, एवं महाविद्यालय की जानायां भीमति डा आवे स्रोनिमी आया भी स्रश्नितीकी प्रजन अर्चन किया गया। महाविद्यालय के समहत त्रिक्षकों भीमति ज्योति समता त्वारी, सुधा पासी, स्वाति सीवास्त्व, मनीपा थोजी सुव द्यामी, एवं अभीता अधिवास आरा भी माँ सरस्वती के न्यरकों में फुट्प माला आपित किए अंत में सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों व कर्म-वारियों ने मा सरस्वती जी के चर्कों में अपिय सुकावर अपने एन किया, हुने अपने उप्पावल अविद्य की कामना की हुने स्

No.			)
Dt:	1	1	

कार्यक्रम का संवालन ब्रीमित ज्योति श्राम्ला आरा किया अथा। एवं सभी ने एक-इसर को "बसत पंचमी" उत्सव की विधार्र भी

> कार्यक्रम एमारी-\* रेश्याह भीमिरिट ज्योति श्रम् धा

DATE / /20 PAGE NO\_\_\_\_ PRINCIPAL
Dr. Radhakrishnan College of
Education Karmeta, Jabalpur अपने का की का गर्म का सी धा प्रसारना " पर मुख्यमंत्री की के का गर्म का सी धा प्रसारना " 9 की राधार्यां का की महातमा जी भी वी विश्वाल की कार्यां की विश्वाल सकार के कार्यां की विश्वाल सकार के कार्यां की वार्यं की वार्यं की पर उनके की कार्यं की वार्यं की कार्येष्ट्रम तथा किल्म का स्वीधा का खायांचन सहाविधालय में किया गया विसमें उनके जीवन की खाराया की खाराया के खाराया की खा र्य अवगत क्रमामा या। द्वा अवपर पर महाविधालय में उनके जीवन पर खाचारित किलम का तथा भीपाल में आयोधित कार्यवम का स्वीधा प्रारण निष्यामियी की दिस्वाया गया। स्वामस्त विद्याणिया राहित स्पूर्णात जांच्यापव ठांचा अरी डांच कार्यव्य की देखने हेंतु उत्साहित सी। प्रातः ११:00 वर्ष डांच कार्यव्या का स्वीधा यसारको महाविद्यालय के सीमिमार हाल में - यह सारको लगाभग २ होरी तद -यला। तत्पश्चान

महाविद्याल्य में विकान्त कार्यक्षम भी खारावित किरी गरि इस कार्यहम को सी पी विद्यासियी के खम्ब अल्तुन किया गया लाकि वे माननीय मुख्यमंत्री की जाती को खम्ब के महात्मा जांधी जी के खादशों श्रीर रिबदानी से हार्वी की खावगत कराने के लिस बस करह के कार्यहम का खायांचन किया गया । र्यरकार की सुहम है। स्रिकार के। जार के दूर्ण किया गया। जात में स्रिकार्यों के स्वारम के स्रिकार गया। जात में स्रिकार्यों के स्रिकार के स्रिक उरावे उपाइमाँ भी आतमरगत वार्म की परिना मेंते ही इप कार्यम का स्वकलायुम्ब उपायीयन विया गया /